लॉरा रिचर्ड्स
चित्रांकनः राजीव आइप

एली...टेली...फोन

कथा की 300एम थिंकबुक

एक बार एक

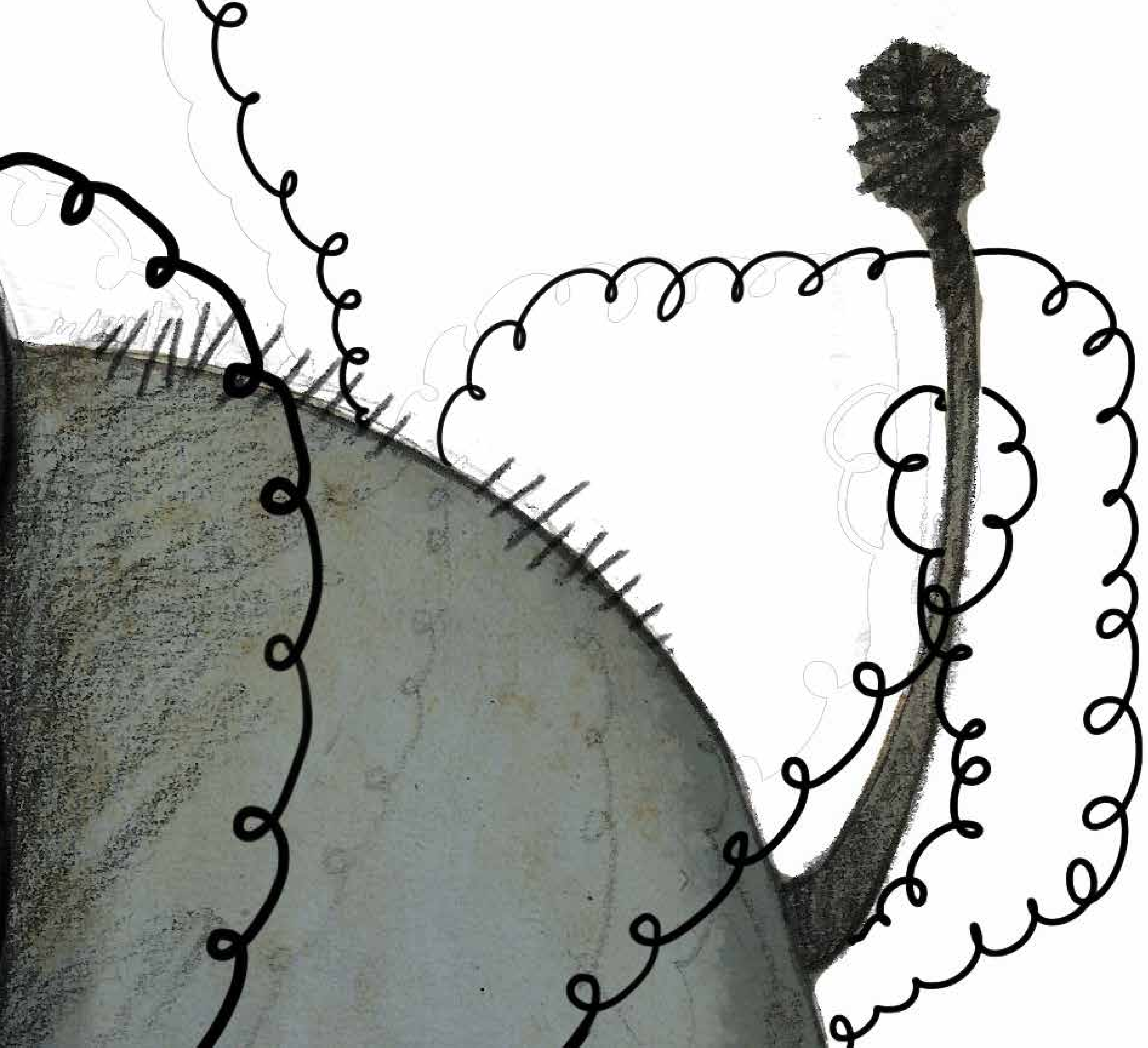

एलीफेंट था।

उसने टेलीफेंट इस्तेमाल

करने की कोशिश की

अर्र र र र ... नहीं! नहीं!
मेरा मतलब,
एक **एलीफोन** था
जिसने **टेलीफोन**
इस्तेमाल करने की
कोशिश की-

(अरे मैं भी न! मुझे लगता है मैंने अभी भी सही नहीं कहा।)

खैर, जो भी था,
फंस गया
उसकी सूंड़
में टेलीफूँड़!

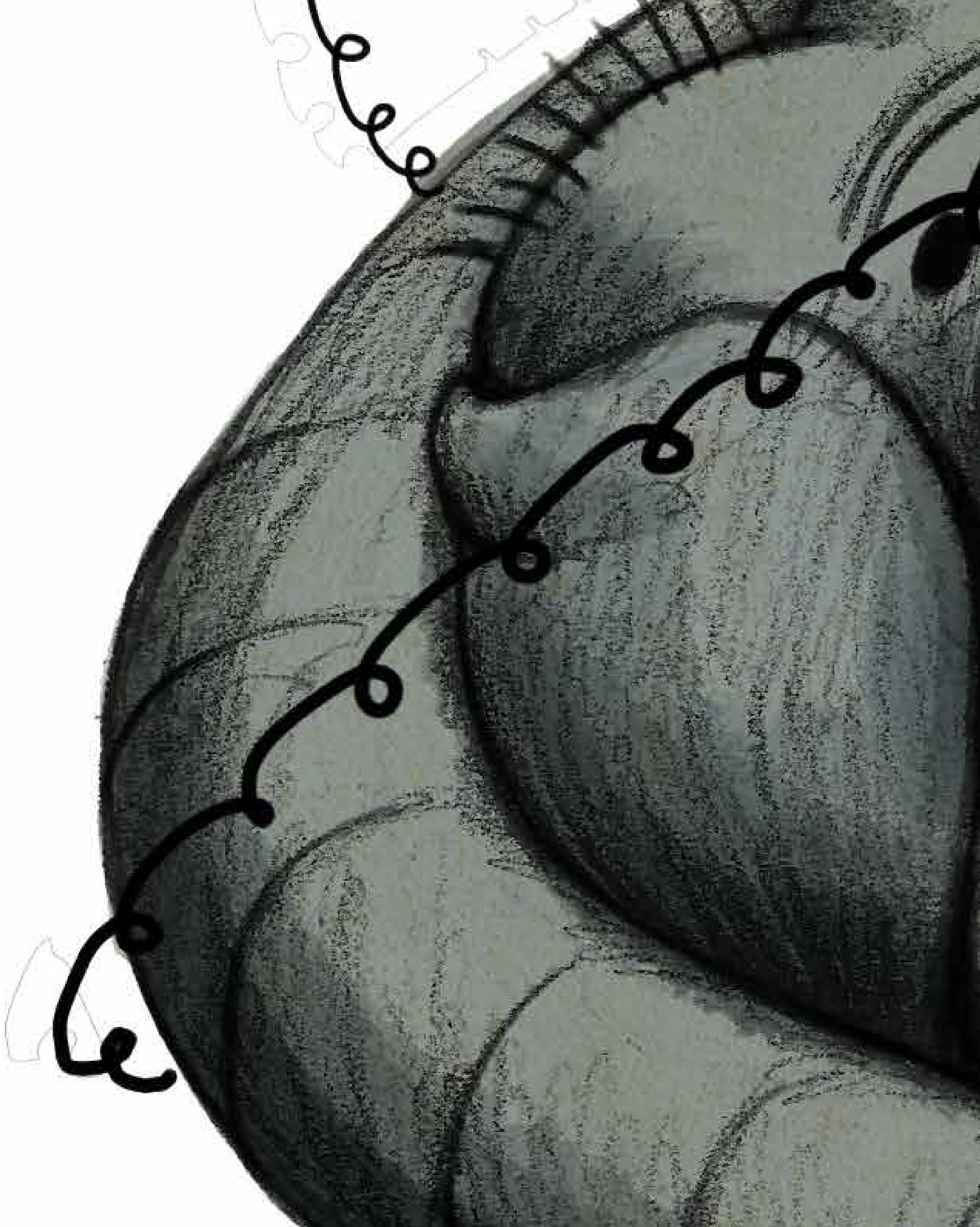

उसने उसे **छुड़ाने** कि जितनी कोशिश की,

उतनी ज़ोर से
बजने लगा
टेलीफी

अच्छा होगा मैं

यह गाना न गाऊँ

एलीहाउं

और

टेलिफाउं!

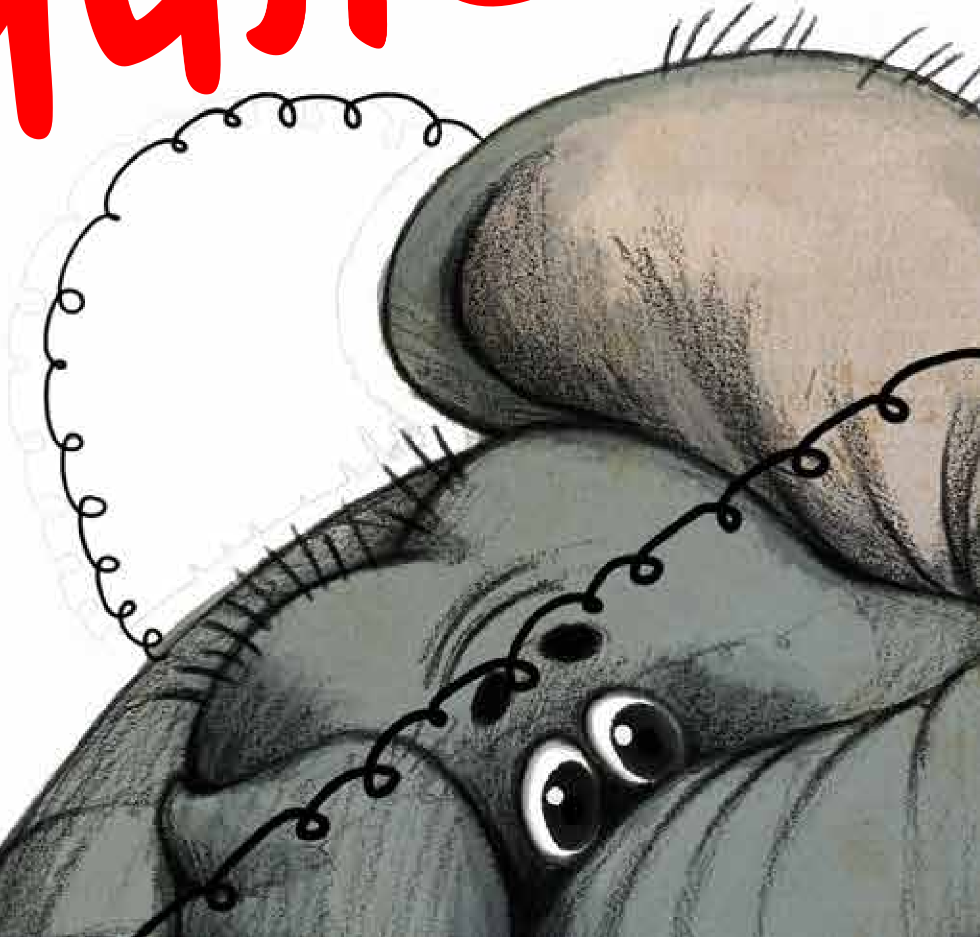

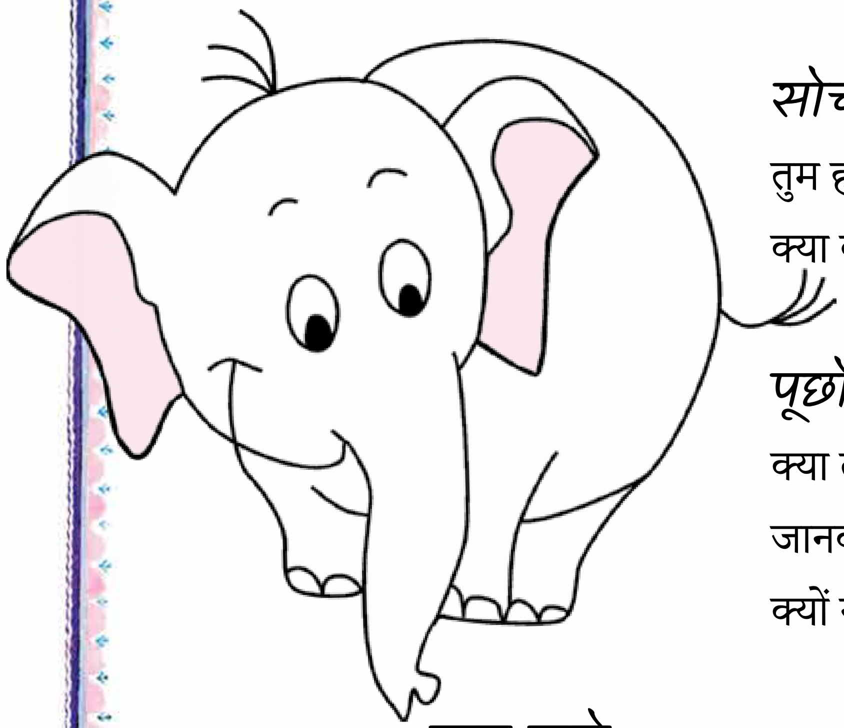

पढ़ने से पहले

सोचो ...

तुम हाथियों के बारे में क्या जानते हो?

क्या वह टेलीफोन इस्तेमाल करते हैं?

पूछो

क्या तुम्हें लगता है की हाथी (एलीफैंट) अन्य जानवर टेलीफोन का इस्तेमाल करते हैं ? क्यों नहीं?

बात करो

मोबाइल हाथियों के लिए अच्छा नहीं है। यह उनके वातावरण को ख़राब करता है। आपको लगता है की वह मनुष्यों के लिए की भी खराब है?

अब करो

एक कागज़ पर तमाशा के इस चित्र की नक़ल बनाओ। कागज़ तुम कितना भी बड़ा ले सकते हो। उसमें जितने मर्ज़ी उतने रंग भरो!

पढ़ने के बाद

अब करो!

हम सब दुनिया को अधिक दयालु बना सकते हैं।

क्या तुम जानते हो तुम्हारे पास ‘रीडर - लीडर’ बन जाने की शक्ति है?

तथ्य: हाथियों की पीठ कमज़ोर होती है। हमारे हाथियों पर बैठने से उन्हें बहुत दर्द होता है। यह ऐसा है जैसे तुम अपनी पीठ पर अपने पापा को बैठा कर रोज़ घूमो।

अगली बार कोई तुमसे कहे की, चलो हाथी पर चढ़ कर घूमें, तो तुम मुझे याद रखोगे न ?

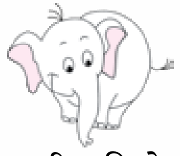

तुम्हारी पक्की दोस्त

तमाशा

लॉरा ई. रिचर्ड्स एक अमरीकी लेखक थीं। उन्हें वर्ष 1917 में जूलिया वार्ड हाउ के लिए पुलित्ज़र पुरस्कार दिया गया था। यह एक जीवनी थी, जिसे उन्होंने अपनी बहनों के साथ मिलकर लिखा था। उनके द्वारा लिखी बच्चों के लिए किताब, टिरा लिरा को 1959 में लुइस कैरोल शेल्फ़ अवार्ड भी दिया गया था। उन्होंने 14 जनवरी 1943 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

राजीव आइप एनिमेशन फिल्मों और किताबों में चित्रकारी करते हैं। वे जीवन भर केवल चित्रकारी करना चाहते हैं। उन्हें छोट–छोटे अंतराल पर शून्य में ताकना पसंद है।

क कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" — **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" — **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" — **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"
— **चार्ल्स लैंड्री, *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग***

हिंदी संस्करण 2021
कृति स्वामित्व © कथा, 2021
मौलिक लेखन कृति स्वामित्व © लॉरा ई. रिचर्ड्स
चित्रॉकन कृति स्वामित्व © कथा
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।
नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्षयः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

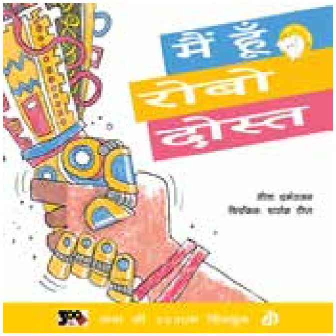

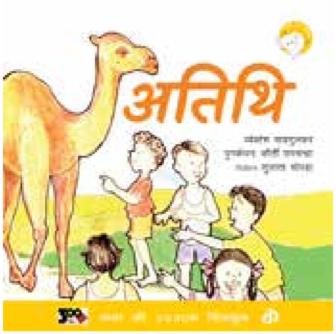

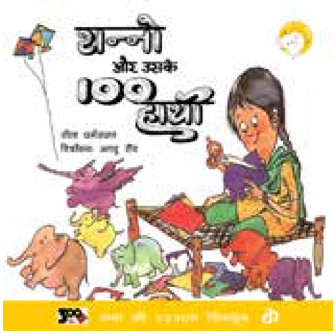

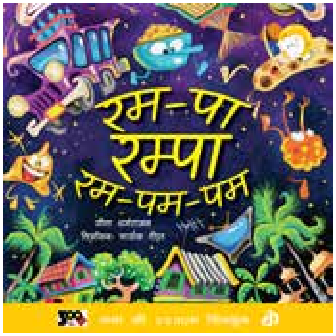

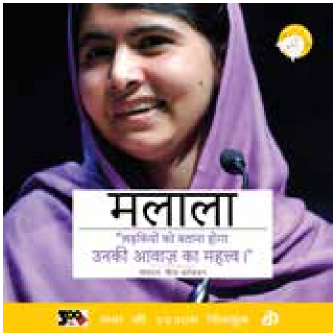

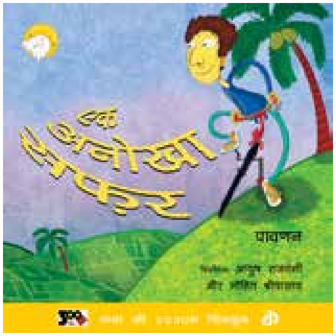

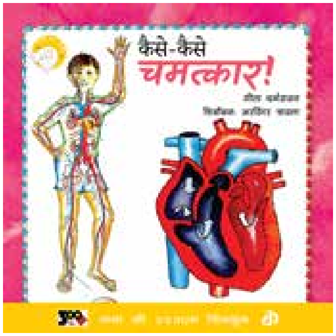

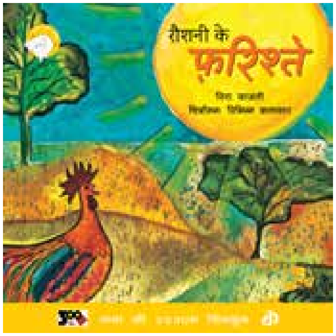

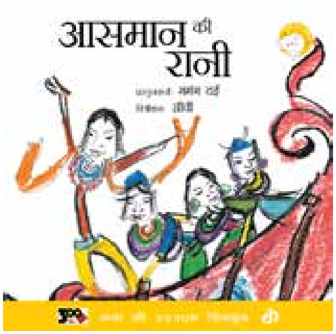

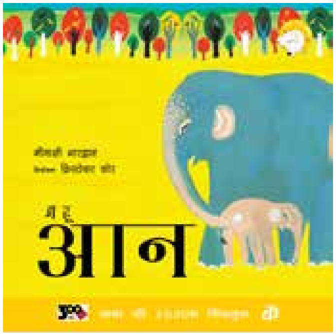

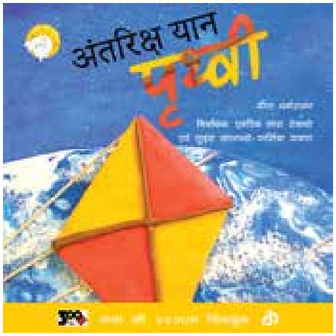

FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."

— The iconic The Economic Times

for children
a katha book
ISBN 978-93-88284-81-3
9 789388 284813
www.katha.org
₹ xxx

इसकी तीन श्रृंखला में